समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

भारतीय साड़ी ब्रांड ने कांचीपुरम साड़ी पर बरबरी चेक्स का किया प्रयोग, फैशन की नई दिशा

Publisher

Published on 13 Oct 2025

भारतीय साड़ी उद्योग में एक नया और अनोखा प्रयोग हुआ है, जब चेन्नई स्थित प्रतिष्ठित साड़ी ब्रांड 'पोथीज़' ने अपनी कांचीपुरम सिल्क साड़ी में बरबरी के आइकोनिक टार्टन पैटर्न का समावेश किया। यह प्रयोग भारतीय हस्तशिल्प और पश्चिमी लक्जरी फैशन का अनोखा संगम प्रस्तुत करता है, जो भारतीय फैशन उद्योग में एक नई दिशा की ओर इशारा करता है।

कांचीपुरम साड़ी, जो अपनी पारंपरिक बुनाई और शाही आभूषणों के लिए प्रसिद्ध है, में बरबरी चेक्स का समावेश एक साहसिक और नवीनतम कदम है। पोथीज़ ने इस साड़ी में बरबरी के क्लासिक चेक पैटर्न को भारतीय सिल्क के साथ मिलाकर एक आधुनिक और स्टाइलिश रूप प्रस्तुत किया है। यह साड़ी न केवल पारंपरिकता को बनाए रखती है, बल्कि इसमें आधुनिकता का भी समावेश है, जो इसे विशेष बनाता है।

इस साड़ी की डिज़ाइन में बरबरी के चेक्स के साथ-साथ भारतीय बुनाई की विशेषताएँ भी शामिल हैं, जो इसे एक अनूठा रूप देती हैं। इसका रंग संयोजन और पैटर्न भारतीय और पश्चिमी फैशन के बीच एक सेतु का कार्य करता है, जो विभिन्न सांस्कृतिक प्रभावों को एक साथ लाता है।

पोथीज़ का यह कदम भारतीय फैशन उद्योग में नवाचार और प्रयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह दर्शाता है कि भारतीय पारंपरिक वस्त्रों में आधुनिकता का समावेश करके उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे भारतीय फैशन को एक नया आयाम मिलता है और यह वैश्विक फैशन ट्रेंड्स के साथ तालमेल बैठाने में मदद करता है।

इस साड़ी को पहनने से न केवल पारंपरिक भारतीय संस्कृति का अनुभव होता है, बल्कि इसमें पश्चिमी फैशन की भी झलक मिलती है, जो इसे एक स्टाइल स्टेटमेंट बनाती है। यह साड़ी उन महिलाओं के लिए आदर्श है जो पारंपरिकता और आधुनिकता दोनों का मिश्रण चाहती हैं।

पोथीज़ का यह प्रयोग भारतीय फैशन उद्योग में नवाचार और प्रयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह दर्शाता है कि भारतीय पारंपरिक वस्त्रों में आधुनिकता का समावेश करके उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे भारतीय फैशन को एक नया आयाम मिलता है और यह वैश्विक फैशन ट्रेंड्स के साथ तालमेल बैठाने में मदद करता है।

इस साड़ी की उपलब्धता पोथीज़ के विभिन्न स्टोर्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर की जा सकती है, जिससे फैशन प्रेमियों को इसे आसानी से प्राप्त करने का अवसर मिलता है। यह साड़ी न केवल एक फैशन स्टेटमेंट है, बल्कि यह भारतीय और पश्चिमी फैशन के बीच के सांस्कृतिक संवाद का प्रतीक भी है।

इस प्रकार, पोथीज़ का यह कदम भारतीय फैशन उद्योग में एक नई दिशा की ओर इशारा करता है, जो पारंपरिकता और आधुनिकता के संतुलन को दर्शाता है। यह साड़ी न केवल एक वस्त्र है, बल्कि यह भारतीय और पश्चिमी संस्कृति के मिलन का प्रतीक भी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.